①

Lecture No-04

Name of the college - A.P.S.M College, Barauni, Begusarai
L.N.M.U Darbhanga

Name - Dr. Bharti Kumari (G.T)
Deptt - A.I.H.&C

Lession - / Plan - B.A Part II (H) A.I.H.&C Paper - IV
Date - 25-06-2021 Continue—

Name of the Topic - लिंगराज मंदिर (उड़ीसा) यूनिट-I

लिंगराज मंदिर में विमान के साथ ही जगमोहन तैयार किया गया। वह वर्गाकार न होकर आयताकार निर्मित किया गया और 72 x 56 वर्गफुट के क्षेत्रफल में विस्तीर्ण है। यह 34 फुट ऊँचा है और और उसकी मीनार 100 फुट ऊँची है। नट तथा भोगमंडपों को कालान्तर में मंदिर के स्थापत्य में इस प्रकार जोड़ा गया है कि जगमोहन की बनावट से पृथक नहीं प्रतीत होता है। इस विषय की चर्चा की जा चुकी है कि उड़ीसा शैली में मंदिरों की भीतरी दीवाल सादी तथा अनलंकृत होती है जो प्रत्येक मंडप में चार स्तंभ वर्तमान है, जो अपनी बोझ को संभाल रहे हैं। सभी दीवारें गोपनीय अलंकार रहित हैं। बाहरी दीवार पर आदर्श श्रृंगारिक दृश्यों का प्रदर्शन है। इसे देखते होता है कि जिस कलाकार ने पवित्र भावना के साथ भीतरी अंश को आडंबरहीन बनाया तथा आदर्श रूप में संयम रख सके उन्होंने बाहरी भाग को रूपों का विनियोजित रूप में (चौरा?) तक्षण कला को प्रचुर तथा अन्य दृश्य देखकर भी मीनार के शीर्ष पर स्थित प्रस्तर दर्शनीय है। यह उड़ीसा शैली की प्रौढ़ मंदिर का श्रेष्ठतम उदाहरण है। कुमार स्वामी ने लिंगराज की तिथि ई.स. 1000 मानी है।

P.T.O.

भुवनेश्वर नगर आठ हजार मंदिरों से घिरा था।
वर्तमान समय में भी पाँच सौ मंदिर अच्छी या
बुरी दशा में स्थित है। लिंगराज का गौरव
तथा विशिष्टता अद्वितीय है। किन्तु उड़ीसा के
अन्य मंदिर भी वैसी बनावट रखते है, उसकी
श्रेष्ठता की समता नहीं कर सकते। भुवनेश्वर
से छप्पन किलोमीटर दूर हिंदू जनता के
प्रधान तीर्थस्थान पुरी में भी भगवान जगन्नाथ
का मंदिर स्थित है। लिंगराज की तरह विस्तीर्ण
तथा चारों तरफ सहित जगन्नाथ मंदिर बनाया
गया था, जो परकोटा से चारों ओर घिरा है। उसके
चार कोनों छोटे दो चहारदीवारी मौजूद है। जिसके
प्रत्येक दिशा में बड़े - बड़े द्वार बने है।
पूर्वी मार्ग - द्वार के सामने अरुण स्तम्भ
खड़ा है। जगन्नाथ मंदिर लिंगराज के समान
मध्य युग में निर्मित हुआ। जिसकी
योजना सर्वथा मिलती - जुलती है। यद्यपि
पुरी का मंदिर प्रभावोत्पादक है। विशाल स्वरूप
तथा परम पवित्र है। तो भी उड़ीसा
वाला लिंगराज से घट कर है। जगन्नाथ
मन्दिर में लिंगराज से सम्मिलित लंबाई
मंदिर के चारों तरफ भागों की
310 फुट तथा चौड़ाई 80 फुट है। मीनार 200
फुट ऊँचा है। स्थापत्यकला की दृष्टि से
लिंगराज व जगन्नाथ से
भुवनेश्वर का लिंगराज है। जगन्नाथ मंदिर से
अधिक गरिमामय
440 x 350 वर्ग फुट के घेरे में छोटी
रूपरेखा वाले अनेक मंदिर बने है। ऊँची सतह
पुरी में ये छोटे मंदिर
पर निर्मित है।

भारती कुमारी
A I H & C
Date – 25-06-2021